BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (30.10.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 30.10.2024, PAGE-09

नालंदा ज्ञानकुंभ में बीआरएबीयू भी सहयोगी

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और नालंदा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 18 नवंबर तक आयोजित होने वाले नालंदा ज्ञानकुंभ में बीआरएबीयू भी अकादमिक सहयोगी और सह-संयोजक है। इसकी जानकारी मंगलवार को बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने पत्रकारों को दी। कुलपति नालंदा ज्ञानकुंभ आयोजन समिति के उपाध्यक्ष भी हैं।

कुलपति ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय की ओर से एक 'ज्ञानकुंभ रथयात्रा' को निकालने की योजना बनी है। यह रथयात्रा विवि के प्रांगण से निकलेगी और विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले सभी महाविद्यालयों और जिलों से गुजरते हुए नालंदा ज्ञानकुंभ में समाप्त होगी। रथयात्रा 13 नवम्बर को रवाना होगी, जो 15 नवम्बर को सीतामढ़ी, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, हाजीपुर होते हुए नालंदा पहुंचेगी।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 30.10.2024, PAGE-09

एनआईआरएफ में शामिल होगा विवि

बीआरएबीयू

नैक के सभी मानकों को किया जा रहा पूरा

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू पहली बार एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क) में शामिल होगा। इसके लिए विवि का एनआईआरएफ के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन हो चुका है। बीआरएबीयू राज्य का पहला विवि है, जिसका निबंधन एनआईआरएफ के लिए हुआ है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय देश के सभी विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता के आधार पर उसकी रैंकिंग करता है। अब तक बिहार में केंद्रीय विश्वविद्यालय और आईआईटी की ही रैंकिंग होती थी, लेकिन एनआईआरएफ में रजिस्ट्रेशन होने के बाद बीआरएबीयू की भी रैंकिंग होगी। बीआरएबीयू प्रशासन ने एनआईआरएफ को विवि से जुड़े सभी दस्तावेज भेज दिये हैं। चला

कुलपति ने निर्देश दिया है कि बीआरएबीयू में नैक मूल्यांकन में ए या ए प्लस-प्लस ग्रेड लाना है। इसके लिए कई महीनों से नैक के सभी मानकों को पूरा किया जा रहा है। विवि के एक अधिकारी ने बताया कि पिछली बार और इस बार के नैक मूल्यांकन में अंतर है। वर्ष 2015 में नैक मूल्यांकन में दूसरे संस्थानों से एमओयू नहीं किया गया था, लेकिन इस बार तीन दर्जन से अधिक शैक्षिक संस्थानों से विवि ने एमओयू किया है।

दें कि बीआरएबीयू में अभी नैक मूल्यांकन की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। नैक मूल्यांकन में बेहतर रैंकिंग के लिए एनआईआरएफ में रजिस्ट्रेशन भी जरूरी होता है, इसलिए विवि ने कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय की पहल के बाद एनआईआरएफ में रजिस्ट्रेशन कराया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 30.10.2024, PAGE-04

विश्वविद्यालय से निकलेगी ज्ञानकुंभ कलश रथयात्रा

16 से 18 नवंबर तक नालंदा में हो रहा है ज्ञानकुंभ का आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनर्स्थापना में मील का पत्थर होगा ज्ञानकुंभ : कुलपति

प्रेसवार्ता में कुलपति प्रो. डीसी राय (बाएं से चौथे) व अन्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानकुंभ का आयोजन 16-18 नवंबर तक होगा। इसमें बीआरए बिहार विश्वविद्यालय भी अपनी अकादमिक भागीदारी और सह संयोजक की भूमिका का निर्वहन करेगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति और नालंदा ज्ञानकुंभ आयोजन समिति के उपाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र राय ने दी। कहा कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से ज्ञानकुंभ कलश रथ यात्र निकाली जाएगी। यह रथयात्र विश्वविद्यालय के प्रांगण से निकलेगी व विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले सभी महाविद्यालयों और जिलों से गुजरते हुए नालंदा ज्ञानकुंभ में सम्मान होगी। ज्ञानकुंभ रथयात्र को 13 नवम्बर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। साथ ही 15 नवंबर को यह रथयात्रा मां जानकी जन्मस्थली सीतामढ़ी, सत्याग्रह की भूमि मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, हाजीपुर होते हुए नालंदा पहुंचेगी। कुलपति ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनर्स्थापना की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। विश्वविद्यालय की ओर से नामित ज्ञानकुंभ समन्वयक प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ में बिहार विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे नवाचारों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रो. बीएस राय ने कहा कि अपना विश्वविद्यालय इस ज्ञानकुंभ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा और बड़े पैमाने पर यहां के शिक्षक और शोधार्थी अपने शोध पत्र को प्रस्तुत करेंगे।

तीन हिस्सों में होगा नालंदा ज्ञानकुंभ का आयोजन : कुलपति ने कहा कि विकसित भारत 2047 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा व भारतीय भाषाओं की भूमिका पर केंद्रित नालंदा ज्ञानकुंभ के तीन हिस्से हैं। प्रतियोगिता, प्रदर्शनी और परिसंवाद। इनमें निबंध प्रतियोगिताओं को संचालित करने का दायित्व बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को दिया गया है। इस दिशा में विश्वविद्यालय ने एक समिति बनाकर अखिल भारतीय स्तर पर इस प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास कर रही है। इसमें हजारों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। नालंदा ज्ञानकुंभ के संयोजक और विश्वविद्यालय यूजीसी-एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डा.राजेश्वर कुमार ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ में 12 राज्यों की सहभागिता होने वाली है। लगभग डेढ़ सौ शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यक्ष भागीदारी होगी। एक हजार से अधिक शिक्षाविद् उपस्थित होंगे। मौके पर विश्वविद्यालय के प्राक्टर प्रो. बीएस राय, आरबीएम कालेज की प्राचार्या प्रो. ममता रानी, गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय कुमार, विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव डा. कौशेय कुमार समेत अन्य उपस्थित रहे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 30.10.2024, PAGE-04

नालंदा ज्ञानकुंभ के लिए बीआरएबीयू से निकलेगी रथ यात्रा

कुलपति ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

सीतामढ़ी, हाजीपुर होकर नालंदा पहुंचेगी यात्रा

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास व नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले नालंदा ज्ञानकुंभ (16 से 18 नवंबर) में बीआरएबीयू अकादमिक सहयोगी और सह-संयोजक की भूमिका में है. इसको लेकर विवि के कुलपति व नालंदा ज्ञानकुंभ आयोजन समिति के उपाध्यक्ष प्रो दिनेश चंद्र राय ने प्रेस वार्ता की. कुलपति ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनर्स्थापना की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा. बिहार विश्वविद्यालय ज्ञानकुंभ को लेकर 'ज्ञानकुंभ रथ-यात्रा' निकालेगा. यह रथ विश्वविद्यालय के प्रांगण से निकलेगी. विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले सभी महाविद्यालयों और जिलों से गुजरते हुए नालंदा ज्ञानकुंभ पहुंचकर समाप्त होगी. इस ज्ञानकुंभ रथ-यात्रा को 13 नवम्बर को कुलपति हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे.

नवाचारों की प्रस्तुति के लिए प्रदर्शनी : 15 नवम्बर को यह रथ-यात्रा मां जानकी जन्मस्थली सीतामढ़ी, सत्याग्रह की भूमि मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, हाजीपुर होते हुए नालंदा पहुंचेगी. ज्ञानकुंभ समन्वयक प्रो राजीव कुमार ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ में बीआरएबीयू की ओर से किए जा रहे नवाचारों की प्रस्तुति के लिए प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी. कुलपति ने कहा कि विकसित भारत- 2047 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय भाषाओं की भूमिका पर केन्द्रित नालंदा ज्ञानकुंभ के तीन हिस्से हैं. प्रतियोगिता, प्रदर्शनी व परिसंवाद.

कुलपति कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कुलपति व अन्य.

ज्ञानकुंभ में 12 राज्यों की सहभागिता

इनमें प्रतियोगिताओं को संचालित करने का दायित्व बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय को दिया गया है. इस दिशा में विश्वविद्यालय ने समिति बनाकर अखिल भारतीय स्तर पर इस प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास किया है. नालंदा ज्ञानकुंभ के संयोजक व विश्वविद्यालय यूजीसी-एमएमटीटीसी के उपनिदेशक डॉ राजेश्वर कुमार ने कहा कि नालंदा ज्ञानकुंभ में 12 राज्यों की सहभागिता रहेगी. इसमें डेढ़ सौ शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यक्ष भागीदारी होगी. एक हजार से अधिक शिक्षाविद् उपस्थित रहेंगे. मौके पर प्रो बीएस राय, आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्य प्रो ममता रानी, प्रो संजय, डॉ कांतेश आदि मौजूद थे.

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए क्यू आर कोड को स्कैन करें.